

श्रीनगर को 'वशिव शलिप शहर' का दर्जा मिला

[स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस](#)

हाल ही में श्रीनगर वशिव शलिप परिषद (World Craft Council- WCC) द्वारा 'वशिव शलिप शहर (World Craft City- WCC)' के रूप में मान्यता प्राप्त करने वाला चौथा भारतीय शहर बन गया है।

- जयपुर, मलपुरम और मैसूर अन्य तीन भारतीय शहर हैं जिन्हें पहले वशिव शलिप शहरों के रूप में मान्यता दी जा चुकी है।
- वर्ष 2021 में श्रीनगर शहर को शलिप और लोक कलाओं के लिये यूनेस्को क्रिएटिवि सिटी नेटवर्क (UNESCO Creative City Network- UCCN) के हिस्से के रूप में एक रचनात्मक शहर नामित किया गया था।
- कागज की लुगदी, अखरोट की लकड़ी पर नक्काशी, कालीन, सोज़नी कढ़ाई और पश्मीना और कानी शॉल श्रीनगर के कुछ शलिप हैं।

WCC-वशिव शलिप शहर कार्यक्रम:

- इसे वर्ष 2014 में वशिव शलिप परिषद AISBL (WCC-इंटरनेशनल) द्वारा दुनिया भर में शलिप विकास में स्थानीय अधिकारियों, शलिपकारों और समुदायों की महत्त्वपूर्ण भूमिका को मान्यता देने के लिये शुरू किया गया था।
- WCC-इंटरनेशनल की स्थापना वर्ष 1964 में हुई थी और श्रीमती कमलादेवी चट्टोपाध्याय, संस्थापक सदस्यों में से एक होने के नाते, प्रथम WCC आम सभा में शामिल हुई थी।
 - श्रीमती कमलादेवी चट्टोपाध्याय ने भारत की शलिप वरिष्ठता को संरक्षित करने और बढ़ाने के लिये वर्ष 1964 में भारतीय शलिप परिषद की स्थापना की।

और पढ़ें: [श्रीनगर: यूनेस्को रचनात्मक शहरों का नेटवर्क](#)